दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

पेज-07

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 325 | देहरादून, रविवार 25 मई, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

अलायंस क्लब इंटरनेशनल एवं सरोज देवी फाउंडेशन ने महिला सशक्तिकरण पर संयुक्त अभियान का किया आगाज

देहरादून। एसोसिएशन आफ अलायंस क्लब इंटरनेशनल एवं सरोज देवी फाउंडेशन ने महिला सशक्तिकरण पर संयुक्त अभियान आगाज किया जिसमें आज इंटर कॉलेज बहादराबाद हरिद्वार में सैकड़ो छात्राओं एवं अध्यापिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा क्लब मंडल अध्यक्ष विशाल सिंह सचिव संजीव शर्मा महिला सशक्तिकरण अध्यक्ष बेवी चंद सुभाष चंद्र सुनील धीमान पूनम धीमान बॉक्सर शर्मा हिमांशु बीना शर्मा खुशी इत्यादि थे।

पुलिस अभिरक्षा से फरार कैदी को पुलिस ने दोबारा दबोचा

टिहरी। चोरी के मामले मे पुलिस अभिरक्षा से कैदी फरार हो गया। जिसको कड़ी मशक्कत के बाद जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि लापरवाही बरतने पर हेडकांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार थाना कीर्तिनगर में दर्ज मुकदमें में गिरफ्तार हुए मुलजिम नितेश पुत्र नेत्रपाल को बीते कल न्यायिक मजिस्ट्रेट कीर्तिनगर की अदालत में पेश करने के उपरांत जिला कारागार टिहरी में दाखिल करने हेतु लाया जा रहा था कि शाम 5 बजे लगभग रास्ते में कांडिखाल अमौली के बीच लघुशंका का बहाना बनाकर उक्त आरोपी पुलिस को धक्का देकर झाड़ियों में कूद गया और फरार हो गया। एसपी टिहरी द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक कीर्तिनगर को फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम बनकर सर्च ऑपरेशन चलाने के निर्देश दिए गए।

धानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में सीएम ने किया प्रतिभाग

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण के चलते शहरों में ड्रेनेज की समस्या एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए विशेष योजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने "पीएम कृषि सिंचाई योजना" की गाइडलाइन्स में लिफ्ट इरिगेशन को सम्मिलित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के कारण वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्र का मात्र 10 प्रतिशत भूभाग ही सिंचित हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हिमनद आधारित नदियों को वर्षा आधारित नदियों से जोडने की दिशा में "नदी जोड़ो परियोजना" के साथ ही चेक डैम्स और लघु जलाशयों के निर्माण के माध्यम से वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में उत्तराखंड में पर्वतीय महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध "मां नन्दा राजजात यात्रा" तथा वर्ष 2027 में हरिद्वार में "कुंभ" का आयोजन होना है। इन दोनों आयोजनों को "भव्य एवं दिव्य" बनाने के लिए सहयोग मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में "डेमोग्राफिक डिविडेंड" की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए एक निश्चित समय सीमा में इसका दोहन करना आवश्यक है। इस दृष्टि से आने वाले दस वर्ष हमारे प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं,

नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते पीएम नरेंद्र मोदी।

राष्ट्रीय स्तर पर शहरी क्षेत्रों में टिकाऊ ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने के लिए विशेष योजना बनाने का किया अनुरोध

क्योंकि इन्हीं वर्षों में हम "डेमोग्राफिक डिविडेंड" का सर्वाधिक लाभ उठा सकते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए राज्य में विशेषरूप से स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की जीडीपी में प्राथमिक सेक्टर का योगदान जहां मात्र 9.3 प्रतिशत है, वहीं इस कार्य में लगभग 45 प्रतिशत आबादी लगी है। इस समस्या को देखते हुए हमने प्रदेश के काश्तकारों को "लो वैल्यू एग्रीकल्चर" की बजाए "हाई वैल्यू एग्रीकल्चर" अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया है, जिनमें एप्पल मिशन, कीवी मिशन, ड्रैगन फ्रूट मिशन, मिलेट मिशन तथा सगंध कृषि को प्रोत्साहन शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक "विकसित एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस संकल्प को पूर्ण करने के लिए उत्तराखंड सरकार भी दृढ संकल्पित होकर वित्तीय प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था में पिछले तीन वर्षों में लगभग डेढ़ गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2023–24 में नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी रैंकिंग में जहां हमारे राज्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं इस वर्ष जारी हुई "केयरऐज रेटिंग रिपोर्ट" में सुशासन एवं वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में छोटे राज्यों की श्रेणी में हमें दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य में "समान नागरिक संहिता" कानून लागू किया गया। पिछले साढ़े तीन साल में राज्य के 23 हजार से अधिक युवा सरकारी नौकरी पाने में सफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में प्रधानमंत्री के नेट जीरो के विजन को ध्यान में रखते हुए "ग्रीन गेम्स" की थीम पर आयोजित किया गया। इन खेलों में "इलैक्ट्रॉनिक्स वेस्ट" सामग्री की "रीसाइक्लिंग" से 4000 पदक तैयार किए। "सौर ऊर्जा" के माध्यम से संपूर्ण ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति की गई। इस आयोजन में लगभग 4000 से 5000 टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

समाचार पत्रों के सामने संकट का दौर, अखबरों के मालिकों के लिए अखबर निकाला बड़ी समस्या

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पीआरहीआई द्वारा अभी हाल ही में नए नियमों के द्वारा प्रिंट मीडिया को समाप्त करने का कुचक्र रचा गया है । समाचार पत्र और पत्रिकाओं को कहा गया है कि वह अपने प्रकाशित समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की फोटो खींचकर पीआरहीआई के पोर्टल पर अपलोड करें।

समझ में नहीं आता है कि इससे क्या हासिल होगा ? उस खींचे गए फोटो को पढ़ा भी नहीं जा सकता। इसके स्थान पर पीडीएफ फाइल अपलोड कराई जाती तो वह पढ़ी भी जा सकती हैं । उल्लेखनीय तथ्य यह है कि पीआरहीआई,सीओसी और पीआईबी के कार्यालय प्रदेश की राजधानियों में ही है । जनपदों से अखबार के प्रकाशकों को प्रदेश की राजधानियों में पीआईबी के कार्यालय में ही अखबार जमा कराने जाना पड़ता है। यह व्यय साध्य कार्य है। देश के प्रकाशक नियमित रूप से रोजाना जिला सूचना कार्यालय में अखबार जमा करते है। राज्यों के सूचना निदेशालय में भी अखबार जमा कराए जाते है। प्रत्येक माह पीआईबी में भी अखबार जमा कराने जाना पड़ता है। आखिर छोटे और मझौले अखबारों के प्रकाशक को कितना उत्पीड़ित जाएगा ? समाचार पत्रों को सरकार क्या दे रही है ? इस पर भी विचार किया जाना चाहिये। सीबीसी अपनी बनाई विज्ञापन नीति का स्वयं अनुपालन नहीं कर रही है । राष्ट्रीय पर्वो तक पर मिलने वाले विज्ञापन भी चुनिंदा अखबारों को जारी किए जा रहे है। निर्धारित अनुपात में भी अखबारों को सीबीआई विज्ञापन जारी नहीं कर रही। कलर के नाम पर भी नियमों के विपरीत छोटे व मझौले अखबारों को उत्पीड़ित किया जा रहा है।

भारतीय प्रेस परिषद की विज्ञापन संबंधी मामलों की उपसमिति की सिफारिशों को आज तक लागू नहीं किया गया है। साथ ही भारतीय प्रेस परिषद द्वारा छोटे और मझौले अखबारों को ळैज से मुक्त करने की भारतीय प्रेस परिषद की सिफारिश को भी आज तक नहीं लागू किया गया है। समाचार पत्रों के हित में नियमानुसार भारतीय प्रेस परिषद की सिफारिशों को तत्काल लागू किया जाना चाहिए। माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के 13 मई 2015 को कॉमन काज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में दिए गए निर्णय का भी सरकार द्वारा अनुपालन सुनिश्चित नहीं किया जा रहा है। पीआरहीआई को समाचार पत्रपत्रिकाओं के नियमित प्रकाशन की पुष्टि जनपदों के सूचना कार्यालयों एवं प्रदेश के सूचना निदेशालय से करानी चाहिए। सभी समाचार पत्र और पत्रिकाएं इन कार्यालय में अनिवार्य रूप से भेजी जाती हैं। बहुत से छोटे और मझौले अखबारों पर अपने निजी संसाधन ही नहीं होते। काफी लंबे समय से सीबीसी की विज्ञापन दरों का निर्धारण नहीं हुआ है। जबकि मूल्य सूचकांक के आधार पर विज्ञापन दर निर्धारित होनी चाहिए। सरकारी नौकरी करने वालों का वेतन प्रत्येक वर्ष बढ़ाया जाता है। फिर समाचार पत्रों के साथ यह भेदभाव क्यों किया जाता है ? सरकार की नीति सिंगल विंडो सिस्टम की है फिर समाचार पत्रों पर यह सिंगल विंडो सिस्टम लागू क्यों नहीं किया जा रहा है ? आज तक समाचार पत्रों को उद्योग की श्रेणी में परिभाषित नहीं किया गया है।

संपादकीय

गिल ने रोहित शर्मा की जगह ली

गिल ने रोहित शर्मा की जगह ली है, जिन्होंने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। गिल को जसप्रीत बुमराह से आगे चुना गया है, जिन्होंने पहले ही तीन टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है, जिसमें बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में रोहित की अनुपस्थिति में दो मैच शामिल हैं। शुभमन गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई ने शनिवार 24 मई को मुंबई में सीनियर चयन समिति की बैठक के दौरान इस निर्णय की पुष्टि की। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बोर्ड मुख्यालय में बैठक कर इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम का चयन किया। इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल के डिप्टी के तौर पर ऋषभ पंत को चुना गया। शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव शामिल हैं। गिल ने रोहित शर्मा की जगह ली है, जिन्होंने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। गिल को जसप्रीत बुमराह से आगे चुना गया है, जिन्होंने पहले ही तीन टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है, जिसमें बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में रोहित की अनुपस्थिति में दो मैच शामिल हैं। 25 साल की उम्र में, गिल हाल के वर्षों में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं। हालाँकि उनके पास लाल गेंद के प्रारूप में कप्तानी का अनुभव नहीं है। गिल इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स की कप्तानी भी कर रहे हैं। गिल ने केवल पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में कप्तानी की है। गिल वनडे और टी20 में उप–कप्तान के तौर पर भी काम कर रहे हैं। फरवरी 2025 में यूएई में भारत के विजयी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान में वे रोहित शर्मा के डिप्टी थे। टेस्ट क्रिकेट में, गिल ने 32 मैच खेले हैं और 1,893 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक शामिल हैं।

दाता युद्ध दे, युद्ध दे, युद्ध दे तू!

अब और कुछ हो या नहीं हो, कम से कम गोदी मीडिया को गोदी मीडिया बुलाना तो बंद हो ही जाना चाहिए। टेलीविजन वाले गोदी मीडिया को गोदी मीडिया बुलाना तो एकदम ही बंद हो जाना चाहिए। क्या आपको दिखाई नहीं दे रहा है कि बेचारे कब से गोदी से उतरे हुए हैं? और नहीं तो कम से कम बारह–तेरह दिन, बल्कि उससे भी ज्यादा हो गए हैं।

पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद जोश में जो गोदी से नीचे कूद पड़े थे, तो उसके बाद से तो बेचारे बराबर गोदी से दूर ही बने हुए हैं। और सिर्फ गोदी से दूर ही नहीं बने हुए हैं, वहीं से कूद–कूद कर युद्ध की डिमांड भी कर रहे हैं। कोई कश्मीर में पहाड़ों जंगलों में कूद रहा है, तो कोई रेगिस्तानी मैदानों में। और कोई समुद्र में ही कूद–कूद कर नौसेना के प्रहार की अटकलें लगा रहा है। कूद–कूदकर और युद्ध मांग–मांग कर थक रहे हैं। पर हार नहीं रहे हैं, बल्कि छोटे–छोटे ब्रेक के बाद, और भी जोश से उछल–कूद कर रहे हैं। जुबान से दुश्मन पर गोले बरसा रहे हैं। जल, थल, वायु, सब से धावे करा रहे हैं। और तो और सिंधु जल प्रहार भी। बस इंतजार कराए जाने पर शिकायत नहीं कर रहे हैं। गोदी से उतर गए तो क्या हुआ, वे इतना तो समझते ही हैं कि इंतजार ही सही, अगर मोदी जी करा रहे हैं तो, कुछ सोचकर ही इंतजार करा रहे होंगे। फिर भी युद्ध तो चाहिए ही चाहिए। गोदी मीडिया को भी और भगवा जोशीलों को भी। युद्ध से क्या होगा, क्या नहीं होगा, इससे मतलब नहीं है। युद्ध में क्या होगा, इससे भी कोई मतलब नहीं है। युद्ध में कौन मरेगा, युद्ध में किस पर मार पड़ेगी, युद्ध में किस का नुकसान होगा, इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं है। पहले जब–जब युद्ध हुआ था, तब–तब क्या हुआ था, इससे उनका

और जब तक बाहर वालों के खिलाफ युद्ध शुरू नहीं होता है, तब तक टाइम पास के लिए वो घर के अंदर दुश्मन खोज कर, उनसे दो–दो हाथ कर लेंगे। जैसे कश्मीरी छात्र। जैसे कश्मीरी फेरीवाले। जैसे मुसलमान दुकानदार। जैसे अंदर खोजे गए दुश्मनों के खिलाफ युद्ध करने से रोकने–टोकने वाले। जैसे शहीद नौसैनिक नरवाल की विधवा, हिमांशी या आतंकवादी हमले में अपना पिता खोने वाली आरती मेनन, या आतंकियों के हाथों शहीद हुए किसी और का परिवार। बस एक फर्क है। अंदर खोजे गए दुश्मनों से लडने से रोकने–टोकने वाले अभी तक सिर्फ गरियाए जा रहे हैं और वह भी सोशल मीडिया पर। लाठी–डंडे अब भी बाकायदा अंदरूनी दुश्मनों के लिए ही सुरक्षित हैं। और कश्मीर के कश्मीरी। उनके लिए तो स्पेशल ट्रीटमेंट सुरक्षित है यानी वह ट्रीटमेंट जो बाकी देश में भी कहीं नहीं है। मसलन, योगी जी और उनका अनुकरण करने वाले भगवाई सीएम अब तक, जिस पर शक हो, उसके घर पर बुलडोजर चलवाने तक ही पहुंचे हैं। पर कश्मीर में, आतंकवादी होने के शक में बंदों के घर बम से उड़ाए जा रहे हैं। युद्ध की टेक्नीक। मणिपुर के सीएम से बम मारने की कला शाह जी ने सीख ली लगती है। हम, हमारा देश, हमारी सरकार, हमारे शासक, सब के सब बहुलतावादी हैं। सो वक्त कटी के लिए जो अंदरूनी युद्ध हो रहा है, वह भी एक वचन में नहीं, बहुवचन में है। एक ही युद्ध में कई–कई युद्ध हैं। मसलन जो जयश्रीराम वाली भीड़ों के डंडे खा रहे हैं या जिनके दिल–दिमाग सनातनी वीरों की जुबान के चाबुकों से लहूलुहान किए जा रहे हैं, दुश्मन उनके सिवा और भी निकल आए हैं। बिहार की धरती से चेतावनी देने के बाद, मोदी जी ने पाकिस्तान के पानी पर हमला कर दिया। कारोबार पर हमला। आवाजाही पर हमला। दूतावास के कर्मचारियों की कुल संख्या पर हमला। और भारत में आए हुए पाकिस्तानी नागरिकों पर रातों–रात वापस धकेले जाने का हमला। वैध दस्तावेजों से, वैध तरीके से, सीमा के उस पार से इस पार आए लोगों पर हमला। कम से कम दुनिया को लगना तो चाहिए कि इस इलाके में युद्ध चल रहा है। एक युद्ध का सवाल है बाबा! जो दे, जैसे दे, उसका भला।

साइबर ठगी अपराधियों की अब खैर नहीं- अपराधियों को जल्दी पकड़ने के लिए केंद्र सरकार ने नई ई-ज़ीरो एफआईआर योजना शुरू की

वित्तीय हानियों से संबंधित शिकायतें स्वचालित रूप से ई क्राइम थाने में जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज होगी

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश जैसे –जैसे डिजिटाइजेशन सिस्टम की ओर तेजी से बढ़ रहा है उसी तेजी से डिजिटल फ्रॉड जिसे हम साइबर ठगी कहते हैं,भी बढ़ते जा रहे हैं, उससे निपटने के लिए अनेकों राज्यों में साइबर क्राइम एंड कमांड सेंटर की स्थापना की गई है जहां अलग–अलग एरियाओं में फ्रॉड हुए मामलों को दर्ज करते हैं, जिसमें अनेकों कठिनाइयों का सामना पड़ता है जहां ठगी हुई है उसका जूरिडिक्शन एरिया कौन सा है, यह पता करो, फिर वहां जाकर साइबर विभाग में एफआईआर को दर्ज कराना पड़ता है। आज हम देखते हैं कि एक मेट्रोपॉलिटन नागरिक से लेकर छोटे–छोटे गांव तक और प्लेन उड़ाने वालों से लेकर साइकिल रिक्शा चलाने वालों तक के पास मोबाइल है, तो इंडस्ट्री चलाने वालों से लेकर रेहड़ी–पटरी खोमचे चलाने वालों तक के पास भी मोबाइल है, और आज करीब करीब सभी कुछ ना कुछ व्यवहारों के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट देते लेते रहते हैं जिससे अनेकों आदमी साइबर क्राइम यानें ठगी का शिकार हो जाते हैं। मेट्रोपॉलिटन नागरिक या फिर उद्योग से जुड़े लोगों को तो कुछ नॉलेज होने के कारण वो एफआईआर दर्ज कर देते हैं परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में रेहड़ी पटरी चलाने वालों, मजदूरों के साथ कुछ फ्रॉड होता है तो उन्हें उनकी एफआईआर करने की जानकारी व कार्रवाई करने के लिए कार्यवाही करने का पता या समय नहीं होता, इसलिए वे शिकायत नहीं कर पाते छोड़ देते हैं, इन्हीं सभी कठिनाइयों को देखते हुए केंद्र सरकार के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के अंतर्गत दिनांक 19 मई 2025 को ई–जीरो एफआईआर शुरू की गई है जो फिलहाल तो केवल दिल्ली तक ही सीमित है, हालांकि आगे चलकर इसे पूरे भारतवर्ष में लागू किया जाएगा जो साइबर ठगी से पीड़ित, व्यक्तियों के लिए काफी हद तक मददगार सिद्ध होगी।चूँकिवित्तीय ठगी अपराधों के पीड़ितों के गए हुए पैसे वापस हासिल करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में नई ई–जीरो फिर सटीक मदद करेगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, साइबर ठगी अपराधियों की अब खैर नहीं, अपराधियों को जल्दी पकड़ने के लिए केंद्र सरकार ने नई ई–जीरो एफआईआर योजना शुरू की।

साथियों बात अगर हम साइबर अपराधों से निपटने तंत्र को मजबूत करने केंद्र सरकार द्वारा अनेकों कदम उठाने की करें तो, भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था राज्य के विषय हैं। राज्यध्केंद्र शासित प्रदेश मुख्य रूप से अपनी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से साइबर अपराध सहित अपराधों की रोकथाम, पता लगाने, जांच और अभियोजन के लिए जिम्मेदार हैं और पुलिस स्टेशनों की क्षमता बढ़ाते हैं। केंद्र सरकार राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों की पहलों और उनके एलईए की क्षमता निर्माण में सलाह और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।साइबर अपराधों से व्यापक और समन्वित तरीके से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार ने अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित कदम उठाए हैंरु (1) गृह मंत्रालय ने देश में सभी प्रकार के साइबर अपराधों से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए एक संलग्न कार्यालय के रूप में आई4सी की स्थापना की है।(2) आई 4सी के एक भाग के रूप में 'राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' लॉन्च किया गया है,ताकि जनता सभी प्रकार के साइबर अपराधों से संबंधित घटनाओं की रिपोर्ट कर सके, जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस पोर्टल पर रिपोर्ट की गई साइबर अपराध की घटनाएं, उनका एफआईआर में रूपांतरण और उसके बाद की कार्रवाई कानून के प्रावधानों के अनुसार संबंधित राज्यध्केंद्र शासित प्रदेश कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की जाती है। सभी राज्यध्केंद्र शासित प्रदेश पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं। (3) वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग और धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए आई4सी के तहत 'नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली' वर्ष 2021 में शुरू की गई है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि साइबर ठगी अपराधियों की अब खैर नहीं–अपराधियों को जल्दी पकड़ने के लिए केंद्र सरकार ने नई ई–जीरो एफआईआर योजना शुरू की वित्तीय हानियों से संबंधित शिकायतें स्वचालित रूप से ई क्राइम थाने में जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज होगी– शिकायतकर्ता 3 दिनों में जीरो को नियमित एफआईआर में परिवर्तन कर सकते हैं।वित्तीय अपराधों के पीड़ितों को गवाए हुए पैसों को वापस हासिल करने में आने वाली कठिनाइयों को नई ई–जीरो एफआईआर सटीक मदद करेगी।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

25 May 2025_Copy of Layout 1 5/25/2025 1:39 PM Page 3

श्री गुरु राम राय विवि में संस्कृत भाषा में भी लिखी जाएंगी नाम पट्टिकाएं, श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में बनेगा मंत्र चिकित्सा केन्द्र

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। संस्कृत प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के विभागों की नाम पट्टिकाएं संस्कृत भाषा में भी लिखी जाएंगी। नाम पट्टिकाओं पर विभाग का नाम सबसे ऊपर संस्कृत भाषा में, फिर हिन्दी में और उसके बाद अंग्रेजी में लिखा जाएगा।

श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय ने संस्कृत भाषा को प्रचारित प्रसारित करने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस कार्य में उत्तराखण्ड संस्कृत शिक्षा विभाग श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय को सहयोग करेगा। श्री गुरु राम राय दरबार साहिब का नाम श्रीगुरुरामराय–दरबारसाहिबः, झण्डासाहिबः देहरादूनम् लिखा जाएगा श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल का नाम श्रीमहन्तइन्दिरेश– चिकित्सालयः, चिकित्सा एवं अनुसंधानकेन्द्र, देहरादूनम लिखा जाएगा। शनिवार को दीपक कुमार गैरोला सचिव, संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन, उत्तराखंड शासन ने श्री दरबार साहिब में माथा टेका। उन्होंने श्री दरबार साहिब के सज्जादे गद्दी नशीन एवम् श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के माननीय प्रेसीडेंट श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज के साथ भेंट की व उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों के मध्य कई महत्पूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई. साथ ही साथ उन्हें उत्तराखंड सरकार के कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा प्रकाशित मेरी योजना पुस्तकें भेंट कर सरकार की योजनाओं को श्री दरबार साहिब एवं श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के माध्यम से भी प्रचारित– प्रसारित करने का अनुरोध किया।

सचिव संस्कृत शिक्षा दीपक गैरोला महंत देवेंद्र दास जी से भेंट करते हुए।

बैठक के दौरान चर्चा हुई कि श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन के अन्तर्गत संचालित सभी शिक्षण संस्थानों में संस्कृत भाषा मं नाम पट्टिका लगेंगी। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के नाम के साथ साथ उसके अन्तर्गत विभगोंधचिकित्सकों का नाम भी संस्कृत में लिखा हुआ दिखेगा। इस कार्य में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी अनुवाद करने में सहयोग करेगा। संस्कृत शिक्षा विभाग के अंतर्गत उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय एवं संस्कृत अकादमी तथा श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू की भी कार्यवाही की जायेगी जिससे द्वितीय राजभाषा के विकास, उत्थान, प्रचार– प्रसार एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। अब उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध एवम् सबसे बड़े श्रीमहंत इन्दिरेश अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा के साथ बनेगा मंत्र चिकित्सा केन्द्र श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में मंत्र चिकित्सा केन्द्र की स्थापना होगी। ऐसी मरीज जो असाध्य रोगों से ग्रसित हैं, गम्भीर बीमारी की वजह से जिनके पास बहुत कम समय बचा है। वैदिक मंत्र उपचारों के द्वारा उनकी जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने का काम किया जाएगा।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल डिपॉज़िट सुविधा प्रदान करेगा चुनाव आयोग

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन बूथ पर दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं को बढ़ाते हुए एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों के अनुरूप, चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल डिपॉज़िट सुविधा प्रदान करने और प्रचार के मानदंडों को युक्तिसंगत बनाने के लिए दो और व्यापक निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप हैं। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग और मतदान के दिन न केवल बड़े पैमाने पर मतदाताओं बल्कि वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं द्वारा मोबाइल फोन के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों को देखते हुए, आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल डिपॉज़िट सुविधा की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

विधानसभा प्रोटोकॉल अधिकारी पर लगे गंभीर आरोप, स्पीकर ने दिए जांच के आदेश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। बेरोजगार महासंघ ने विधानसभा में प्रोटोकॉल अधिकारी की नियुक्ति और शैक्षणिक दस्तावेजों पर सवाल उठाए। जिसका संज्ञान लेते हुए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

बेरोजगार महासंघ के पदाधिकारी राम कंडवाल ने हाल ही में विधानसभा में प्रोटोकॉल अधिकारी मयंक सिंघल के मामले में कई आरोप लगाए। राम कंडवाल ने उत्तराखंड विधानसभा में प्रोटोकॉल अधिकारी के पद पर कार्यरत मयंक सिंघल जिनके ऊपर बजट आवंटन की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उनकी नियुक्ति और उनके शैक्षणिक दस्तावेजों को लेकर के कई संगीन आरोप लगाए। बेरोजगार महासंघ के पदाधिकारी राम कंडवाल ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए बताया है कि आईटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, विधानसभा में प्रोटोकॉल अधिकारी के पद पर तैनात मयंक सिंघल के शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी पाए गये। उन्होंने बताया मयंक सिंघल के दसवीं और बारहवीं की प्राइवेट मार्कशीट ऐसे शैक्षणिक संस्थाओं से है जो की प्राइवेट कोर्स नहीं करवाते। बेरोजगार महासंघ ने आरोप लगाया है कि इस तरह के प्रदेश के बाहर के लोगों को जो कि अपनी फर्जी डॉक्यूमेंट बनाते हैं। उन्हें प्रदेश में नौकरी मिल जाती है, लेकिन प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती है। इस पूरे मामले पर हमने उत्तराखंड विधानसभा में वरिष्ठ प्रोटोकॉल अधिकारी मयंक सिंघल से उनका पक्ष जानने की कोशिश की।

चार वर्षीय बच्ची का हत्यारा गिरफ्तार, मारपीट का लिया बदला

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। चार वर्षीय बच्ची की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्यारोपी सूरज उर्फ सूरजभान को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती 15 मई को रोड़ीबेलवाला क्षेत्रान्तर्गत झुग्गी झोपड़ी में रह रहे एक व्यक्ति बमबम दास द्वारा पुलिस स्टेशन रोड़ी बेलवाला पर आकर सूचना दी कि उसकी 4 वर्षीय बेटी को सूरज नामक एक व्यक्ति लेकर कहीं चला गया है। यह भी बताया कि पिछले 4–5 महीने से वह उन्ही की झोपड़ी में रह रहा है तथा कबाड़ बिनने का काम करता है। आरोपी सूरज नशे का आदी है और अक्सर सहारनपुर जाता रहता है। बताया कि 13 मई को जब वह पति पत्नी घर

पकड़ा गया आरोपी।

लौटे और बच्ची को नही पाया तो उन्होंने अनुमान लगाया कि सूरज बच्ची को लेकर सहारनपुर चला गया है। इसीलिए दंपत्ति बच्ची की तलाश में सहारनपुर गई थी लेकिन काफी तलाश के बाद भी बेटी या उक्त व्यक्ति का कुछ पता नही चल पा रहा है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी गयी। इस दौरान 16 मई को रेलवे ट्रैक की सुरंग में बच्ची का शव बरामद हो गया। बच्ची का शव मिलने की जानकारी मिलते ही एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने हत्यारे की तलाश हेतू कई पुलिस टीमों का गठन कर दिया गया। हत्यारे की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आरोपी सूरज को बसेडी रोड लक्सर स्थित कबाडी बस्ती से शमशान घाट की ओर जाने वाली सडक के पास बने खण्डर से दबोचने में कामयाबी हासिल की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ग्राम नगलाढाव थाना सुन्नगढ़ी जिला कासगंज उ0प्र0 का स्थायी निवासी है तथा वर्तमान में गड्डा पार्किंग झुग्गी झोंपडी रोडीबेलवाला में रह रहा था। रेलवे सुरंग के अन्दर पहुचने पर उसने बच्ची की गला घोटकर हत्या कर दी।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल डिपॉजिट सुविधा प्रदान करेगा चुनाव आयोग

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मतदाताओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने और मतदान के दिन की जाने वाली व्यवस्थाओं को सरल और कारगर बनाने के उद्देश्य से की गई विभिन्न पहलों के ही अनुरूप, निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा कराने की सुविधा प्रदान करने और मत–याचना करने के मानदंडों को युक्तिसंगत बनाने के लिए दो और व्यापक अनुदेश जारी किए हैं।

ये अनुदेश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार।

शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते कवरेज और उपयोग को ध्यान में रखते हुए और न केवल आम मतदाताओं बल्कि वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं द्वारा मतदान के दिन मोबाइल फोन के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों को देखते हुए, आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा कराने की सुविधा देने का फैसला किया है। मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर केवल मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति होगी और वह भी स्विच ऑफ मोड में। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के पास बहुत ही साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट के बैग उपलब्ध कराए जाएंगे, जहां मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन जमा कराने होंगे। मतदाता को मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, प्रतिकूल स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर रिटर्निंग अधिकारी द्वारा कुछ मतदान केंद्रों को इस प्रावधान से छूट दी जा सकती है। निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 का नियम 49ड, जो मतदान केंद्र के भीतर मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, का सख्ती से पालन किया जाता रहेगा। इसके अलावा, चुनाव के दिन दी जाने वाली सुविधाओं में और सुधार लाने के उद्देश्य से, आयोग ने चुनावी कानूनों के अनुरूप मत–याचना के लिए अनुमत्य मानदंडों को मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार से 100 मीटर के दायरे तक रखकर इसे युक्तिसंगत बनाया है। हालांकि, मतदान के दिन मतदान केंद्र के आसपास के 100 मीटर के दायरे में चुनाव–प्रचार की अनुमति नहीं होगी। इसलिए, यदि मतदाता आयोग द्वारा जारी अपनी आधिकारिक मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) नहीं ले जा रहे हैं, तो मतदाताओं को अनौपचारिक पहचान पर्ची जारी करने के लिए मतदान के दिन उम्मीदवारों द्वारा स्थापित बूथ अब से किसी भी मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी पर स्थापित किए जा सकते हैं।

प्रशासन के हाथ जब पंहुचे शिक्षा माफियाओं के गिरेबान तक, तब सुधरा विद्यालयों का फीस स्ट्रक्कर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन देहरादून जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशन में शिक्षा माफियाओं पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभिभावकों से फीस के नाम पर वसूली की शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा शहर के कई नामी–गिरामी स्कूलों पर कार्यवाही से जहां शिक्षा माफियाओं के हौसले पस्त हुए हैं वही बड़े–बड़े स्कूलों का फीस बढोतरी का खेल भी सामने आया है। फीस बढोतरी पर जिला प्रशासन की जीरो टालरेंस की नीति अपनाए हुए है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन का शिक्षा माफियाओं पर प्रहार जारी है, जिले में पहली बार शिक्षा माफियाओं के हौसले मटियामेट हुए हैं। जब प्रशासन के हाथ शिक्षा माफियाओं के गिरेबान तक पंहुचे तब विद्यालयों का फीस स्ट्रक्चर सुधरने लगा। जिला प्रशासन के स्वशासन की दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे अब शिक्षा माफियाओं के हौसले नहीं टिक पा रहे हैं, जिससे जिले के कई नामी गिरामी स्कूल अब मनमर्जी फीस बढोतरी पर आए बैकफुट पर आएं है। जिला प्रशासन ने जैसे ही सख्ताई दिखाई तो धीरे–2 स्कूल फीस बढोतरी का खेल भी खुलने लगा। द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला का मामला सामने आया है जहां 100 से अधिक अभिभावकों ने फीस बढ़ोतरी की थी शिकायत, बिना मान्यता नवीनीकरण के स्कूल संचालित होने पर प्रशासन ने लगाई रू0 5,20,000 शास्ति लगाई ही।

जिलाधिकारी सविन बंसल।

जिले के भानियावाला में अवस्थित प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल का फीस बढोतरी पर 100 से अधिक अभिभावकों द्वारा डीएम को शिकायत की गई थी। डीएम के निर्देश पर सीडीओ पर बुलाये जाने के उपरान्त भी स्कूल प्रबन्धन उपस्थित नही हो रहे थे। अभिलेखों की जांच करने पर पाया गया कि विद्यालय को प्री प्राईमरी से कक्षा 8 तक अंग्रेजी माध्यम से मार्च 2020 से मार्च 2025 तक की अवधि 5 वर्ष के लिए मान्यता प्रदान की गई थी, जबकि स्कूल प्रबन्धन द्वारा मान्यता नवीनीकरण के लिए अभी तक आवेदन नही किया गया है।

जिस पर जिला प्रशासन द्वारा द प्रसिडेंसी विद्यालय पर प्री–प्राईमरी से कक्षा–8 तक बिना मान्यता के विद्यालय का संचालन करने के फलस्वरूप शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 की धारा–18 की उपधारा–5 में उल्लेखित प्राविधानों के अन्तर्गत विद्यालय पर प्रतिदिवस 10,000– की दर से दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 22 मई 2025 तक 52 दिवसों का कुल 5,20,000– रूपये शास्ति आरोपित कर दी गई है। उक्त शास्ति की धनराशि विद्यालय प्रशासन को पत्र प्राप्त होने के तीन दिन के अन्तर्गत जमा करने के निर्देश दिए हैं।

सिविल अस्पताल के स्टोर रूम में लगी आग, सामान जलकर राख

रुड़की। सिविल अस्पताल की डायलिसिस यूनिट के स्टोर रूम में आग लग गई। गनीमत रही की समय रहते फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। जिससे बड़ी अनहोनी होने से बच गयी। लेकिन इस अग्निकांड में डायलिसिस यूनिट के स्टोर रूम का सामान जल गया। लाइट काटे जाने और धुआं भर जाने से अस्पताल की इमरजेंसी भी प्रभावित रही। आग के कारण अस्पताल में हड़कंप की स्थिति रही।सिविल अस्पताल रुड़की की इमरजेंसी के बराबर में ही डायलिसिस यूनिट बनी है। बीती रात डायलिसिस यूनिट के स्टोर रूम से अचानक धुआं निकलता नजर आया। इमरजेंसी में तैनात डॉ. सरफराज ने इसकी जानकारी स्टाफ और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पा लिया। आग से स्टोर में रखा सामान जल गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

इस वर्ष समय से काफी पहले मानसून की उत्तराखण्ड में दस्तक देने की उम्मीद

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। इस वर्ष उत्तराखण्ड में समय से काफी पहले मानसून आने के आसार बन रहे है। एक अनुमान के अनुसार 10 जून के बाद कभी भी मानसून दस्तक दे सकता है। इन दिनों प्री मानसून की वर्षा शुरू हो चुकी है।

मौसम विभाग ने माह का अंतिम सप्ताह वर्षा के साथ बीतने की संभावना जताई है। राज्य निदेशक डा. बिक्रम सिंह ने बताया कि भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने 27 मई को मानसून केरल में पहुंचने की घोषणा कर दी थी। जिसमें पुनः संशोधन किया जा रहा है। केरल में मानसून पहुंच चुका है, इसकी घोषणा आइएमडी जल्द जारी कर देगा। जिसके फलस्वरूप उत्तराखंड में मानसून 10 जून के बाद कभी भी पहुंच सकता है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द कर दी जाएगी। राज्य में मानसून पहुंचने की तिथि 20 जून के आसपास मानी जाती है। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते सतही स्तर पर नमी बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी से आ रही हवाओं को भरपूर नमी मिल रही है। जिस कारण बारिश की मात्रा में वृद्धि हो रही है। इन दिनों हो रही बारिश को प्री मानसून कहा जा सकता है। प्री मानसून की औपचारिक घोषणा होनी अभी बाकी है। बहरहाल आने वाले दिनों में मैदानी भागों में गर्मी से राहत मिलेगी। तापमान सामान्य के करीब रहेंगे। जिसका क्रम आने वाले दिनों में जारी रहने वाला है। शनिवार से हल्की से मध्यम बारिश का दौर पुनः जारी होने की संभावना है, जो इस माह के अंत तक जारी रह सकता है।

खनन में राजस्व वृद्धि दुष्प्रचार करने वालों के मुँह पर तमाचाः भट्ट

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भाजपा ने खनन राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी को सीएम धामी की पारदर्शी नीतियों और कुशल प्रबंधन का नतीजा बताया है।

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने इस उपलब्धि को उन लोगों के मुंह पर भी करारा तमाचा बताया जिन्होंने सत्ता में रहते खनन को हमेशा लूट का जरिया बनाए रखा था। उन्होंने मीडिया से अलग अलग बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश, राजस्व वृद्धि को लेकर शानदार उपलब्धि हासिल कर रहा है। घपले, घोटाले, माफियागिरी और अवैध गतिविधियों के लिए कुख्यात खनन क्षेत्र, आज एक बड़ी राजस्व उपलब्धि में तब्दील हो गया है। कभी लाख प्रयासों के बाद भी सरकार का आंकड़ा

300, 350 करोड़ से नीचे ही रहता था। वहीं आज खनन राजस्व का यह आंकड़ा लगभग 4 गुने पर चला गया है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए विगत 3 वर्षों में गुड गवर्नेंस और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सीएम धामी ने दिया है। अन्य क्षेत्रों की तरह खनन में भी ईमानदारी और पारदर्शी नीति बनाकर उसका कुशल प्रबंधन किया गया। जिससे खनन में घोटालों, दलाली, और माफिया संस्कृति पर अंकुश लगा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने वो दौर भी देखा है जब कांग्रेस के मुख्यमंत्री अपनी सरकार बचाने किए संसाधनों की लूट का लाइसेंस देते नजर आए थे। खनन माफिया प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों पर हमले करते थे, साथी माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मां गंगा को स्क्रैप कैनल घोषित कर दिया था। उन्होंने खनन को अवैध धंधा बनाए रखकर अपनी अपनी अपनी झोली भरने में लगे रहते थे। नतीजा यह रहता था कि प्रदेश के राजस्व को चूना भी लगता था और आम आदमी की निर्माण लागत भी बहुत बढ़ जाती थी। उन्होंने कहा कि खनन की यह उपलब्धि नकारात्मक और स्वार्थ सिद्धि की राजनीति करने वाली कांग्रेसी सोच पर करारी चोट है। धामी सरकार के ये प्रयास प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के साथ आम लोगों के लिए भी बहुत मददगार साबित हो रहे हैं।

एसजीआरआर पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों के लिए शोध पद्धति पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। एसजीआरआर विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा एसजीआरआर पब्लिक स्कूलों के शिक्षकों एवं शोध छात्रों के लिए ऐक्शन रिसर्च और रिसर्च मेथाडोलॉजी विषय पर अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से 21 मई से 23 मई तक तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को अनुसंधान की मूलभूत समझ प्रदान करना और कक्षा में सुधार हेतु चिंतनशील एवं व्यवस्थित दृष्टिकोण विकसित करना रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट श्रीमहंत देवेंद्र दास जी महाराज ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो डॉ कुमुद सकलानी, कुलसचिव डॉ लोकेश गंभीर, कार्यक्रम की संयोजक प्रो. मालविका सती कांडपाल ,समन्वयक डॉ. रेखा ध्यानी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में प्रमुख विषय विशेषज्ञ डॉ. विपिन चौहान और वर्तुल ढौंढियाल उपस्थित रहे। एसजीआरआर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) कुमुद सकलानी ने अपने संदेश में कहा, "शिक्षक भावी पीढ़ी के निर्माता होते हैं। यदि उन्हें शोध की दृष्टि और कौशल से सशक्त किया जाए, तो शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक परिवर्तन संभव है। विश्वविद्यालय हमेशा ऐसे नवाचारों और उन्नयन प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।" रजिस्ट्रार डॉ. लोकेश गंभीर ने शिक्षा संकाय को इस महत्वपूर्ण कार्यशाला के आयोजन हेतु बधाई दी और कहा कि यह प्रयास विश्वविद्यालय के नवाचार तथा गुणवत्ता शिक्षा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने शिक्षकों को सतत अधिगम और अनुसंधान आधारित शिक्षण अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में कुल 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया साथ ही दिनभर चले विभिन्न अकादमिक सत्रों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने बताया कि कैसे शिक्षक अनुसंधान के माध्यम से अपनी कक्षा की समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं।

कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक।

विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन का तीसरा प्री-समिट जेएनसीएएसआर बेंगलुरु में सम्पन्न

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं के बीच, उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (न्बै्ज) और हिमालयन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन 2025' का तीसरा प्री–समिट बेंगलुरु स्थित प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च में आयोजित हुआ। सम्मेलन में देश–विदेश से 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि आपदा–प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्यों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड ने अपने वीडियो संदेश के माध्यम से इस प्री आपदा

मंचासीन अतिथि।

सम्मेलन को आयोजित कराने हेतु यूकॉस्ट व अन्य आयोजकों को बधाई प्रेषित की और कहा की इसका मुख्य सम्मेलन नवम्बर माह मे उत्तराखण्ड मे होगा। भारत रत्न प्रो. सी.एन.आर. राव व डॉ. इंदुमती राव ने ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई। प्रो. राव ने राज्यों के बीच वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यूकास्ट की सराहना की, जबकि डॉ. राव ने ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने पर चिंता व्यक्त की। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने उत्तराखंड और कर्नाटक के बीच सांस्कृतिक–सामाजिक संबंधों को रेखांकित करते हुए सिलक्यारा फ्रेमवर्क नामक एक स्वदेशी आपदा प्रबंधन मॉडल का प्रस्ताव रखा, जो पूर्व–आपदा वैज्ञानिक तैयारी पर केंद्रित है। प्रथम सत्र प्रौद्योगिकी और आपदा जोखिम प्रबंधन पर आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता डॉ. दिनेश के. त्यागी ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में राजेंद्र सिंह बिष्ट, डॉ. अंशु शर्मा, डॉ. किरण राजशेखरिया, डॉ. गीता प्रिया, डॉ. सी.एन.एन. प्रभु, राजेंद्र कोप्पा रामाराव ने विचार रखे। मुख्य चचा समावेशी और टिकाऊ तकनीकी नवाचार पर की गई। द्वितीय सत्र अंतरिक्ष आधारित अवलोकन प्रणाली पर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रो. विनोद शर्मा ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में प्रो. पी.के. जोशी, डॉ. अनिल गुप्ता, डॉ. जी.एस. रावत, डॉ. सन्तोनु गोस्वामी, डॉ. उत्तम कुमार, प्रो. प्रवीण कुमार ने विचार रखे। मुख्य चचा सैटेलाइट आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली पर की गई। तीसरा सत्र विशेषज्ञ विचार एवं नवाचार का हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रो. विनोद मेनन ने की। प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. कपिल जोशी, वेंकटेश अय्यर, डॉ. रश्मि दीक्षित, शुभम तोमर, डॉ. एच.एस. सुधीरा, प्रदीप मोटवानी रहे।

जनपद के सभी विकास खंडों में आयोजित होंगे पूर्व सैनिक शिविर’

चमोली। जिला सैनिक कल्याण विभाग की ओर से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों के कल्याणार्थ जनपद के सभी विकास खंडों में पूर्व सैनिक शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर (सेनि) सीएसए गुप्ता ने बताया कि जनपद में 3 से 28 जून तक सभी विकास खंडों में विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में राज्य व केंद्र सरकार की जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही प्रतिभागियों की पेंशन, स्पर्श पोर्टल संबंधित समस्याओं का भी निराकरण किया जाएगा। उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों को समस्या के निराकरण के लिए दस्तावेजों की मूल व छात्रा प्रति साथ लेकर आना अनिवार्य है।

डीएम ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को बाधित सड़कों को सुचारू करने के दिए निर्देश

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने जनपद में हो रही बारिश से प्रभावित सड़कों को लेकर पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को बाधित सड़कों को शीघ्र सुचारू करवाने के निर्देश दिए हैं।

बीते दिनों जनपद में हुई बारिश के चलते पीएमजीसवाई की 5 ग्रामीण सड़कें बाधित हो गई थी। जिसके चलते ग्रामीणों को आवाजाही में हो रही परेशानियों को देखते हुए। जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को सड़कों के सुधारीकरण के निर्देश दिए। जिस पर पीएमजीएसवाई की ओर से आपदा के दौरा विगत वर्षों में किए सभी कार्यों का शत प्रतिशत भुगतान करने के बाद भी सड़कों के सुधारीकरण के लिए आमंत्रित निविदा प्रक्रिया में जेसीबी संचालकों की ओर से आवेदन न किए जाने से देरी होने की जानकारी दी गई। जिस पर जिलाधिकारी ने विभाग की ओर से जेसीबी अनुबंध के लिए की जारी प्रक्रिया को जारी रखने के साथ ही जनता की परेशानियों को देखते हुए अधिकारियों को तात्कालिक व्यवस्था के तहत लोनिवि की निर्धारित अथवा पीएमजीएसवाई की विगत वर्ष की निर्धारित दरों पर बाधित सड़कों को सुचारू करवाने के कार्य करने के निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुई सड़कों को स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

खंड शिक्षा अधिकारी पोखरी के कार्यालय में शैक्षिक सत्र 24 - 25 के नवाचार क्रियान्वयन के लिए शैक्षिक संगोष्ठी

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में शैक्षिक सत्र 2024–25 के समग्र शिक्षा योजना के तहत सामुदायिक सहभागिता एवं शैक्षिक गतिविधियों में नवाचार के क्रियान्वयन एवं प्रचार प्रसार हेतु विकास खण्ड पोखरी स्तर पर एक दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी विभिन्न नवाचार पावर पोइईनटस के माध्यम से आयोजित की गयी। जिसमें विकास खंड के सभी कालेजों के प्रधानाचार्यो , प्रधानाध्यापकों, प्रवक्ताओं , अध्यापकों और लिपिकों द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु अपने – अपने नवाचारों का प्रर्दशन किया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह मटूड़ा ने

कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप शिक्षकों को अपने आपको डालना होगा,तथा शिक्षा की दशा और दिशा में बदलाव के लिए प्रयास करना होगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में मूलभूत सुधार हो और सरकारी विद्यालयों व कालेजों में छात्र संख्या बढ़ोतरी हो सके । राजकीय शिक्षक संघ के ब्लांक अध्यक्ष ब्रह्मानंद किमोठी ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के दौर में संख्यात्मक आंकड़ों के बजाय गुणवत्तापरक शिक्षा को प्राथमिकता दिये जाने की जरुरत है । इस अवसर समग्र शिक्षा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाचार्य, , प्रधानाध्यापक शिक्षक , शिक्षिकाओं, समन्वयक, कार्मिकों एवं भोजन माताओं को , प्रशस्ति–पत्र और पुरुस्कार देकर सम्मानित किया।

पंच प्यारों की अगुवाई में सिक्ख श्रद्धालुओं का पहला जत्था श्री हेमकुण्ड साहिब के लिए हुआ रवाना

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। गुरुद्वारा गोविन्दघाट से बैण्ड बाजों की धुन के साथ पंच प्यारों की अगुवाई में पवित्र निशान के साथ सिक्ख श्रद्धालुओं का पहला जत्था हेमकुण्ड साहिब के लिए रवाना हो गया है। इस प्रथम जत्थे की अगुवाई पावन पंच प्यारों द्वारा की गई, जो सिक्ख परंपरा में अत्यंत सम्मानित हैं। बैण्ड बाजों की मधुर धुन और श्जो बोले सो निहाल, सत श्री अकालश के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं का पहला समूह अपनी कठिन किंतु फलदायी यात्रा पर निकला। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह

पहला जत्था आज रात्रि घांघरिया स्थित गुरुद्वारे में विश्राम करेगा। कल प्रातः, दिनांक 25 मई 2025 को, यह समूह घांघरिया से श्री हेमकुण्ड साहिब के अंतिम पड़ाव के लिए प्रस्थान करेगा। इस जत्थे के वहां पहुंचने के उपरांत ही, पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट सामान्य श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ आधिकारिक रूप से खोल दिए जाएंगे।

जिनका आज रात्रि विश्राम घांघरिया स्थित गुरुद्वारे में होगा। एवं कल प्रातः यह जत्था हेमकुण्ड साहिब के लिए रवाना होगा। तदुपरान्त हेमकुण्ड साहिब के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।उत्तराखंड के पांचवे धाम श्री हेमकुंड साहिब के कपाट खोलने की तैयारी पूरी कर ली है। शनिवार को पंच प्यारे के नेतृत्व में गोविंदघाट गुरुद्वारे से श्रद्धालुओं का पहला जत्था हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हो गया।

शनिवार को हेमकुंड साहिब के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से हेमकुंड साहिब में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर दी गई हैं। सप्त श्रृंग पर्वत मालाओं के बीच 4160 मीटर की ऊंचाई पर स्थित सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह ने तपस्या की थी। जिसके बाद से सिखों का ये पवित्र तीर्थ प्रकाश में आया और इस समुदाय के लोग 19 किमी0 की कठिन चढ़ाई को पार कर हेमकुंड साहिब पहुचते है।

25 May 2025_Copy of Layout 1 5/25/2025 1:39 PM Page 6

जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमोथ की प्रबंधक समिति का चुनाव हुआ निर्विरोध सम्पन्न

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। शिक्षा विभाग चमोली द्वारा नियुक्त किये गये चुनाव पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी की कुशल मार्गदर्शन व देखरेख में अशासकीय सहायता प्राप्त जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमोथ की विद्यालय प्रबंधक समिति के निर्विरोध हुये निर्वाचन में संजय लखेड़ा को प्रबंधक निर्वाचित किया गया।

शनिवार को चुनाव पर्यवेक्षक प्रधानाचार्य सुशीला देवी इंटर कालेज सिवाई, विकासखंड पोखरी और चुनाव अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज सरमोला, सुधीर नेगी के समक्ष हुये निर्वाचन में संजय लखेड़ा को प्रबंधक पर पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष पद पर किशन लखेड़ा, उपाध्यक्ष पद पर कैलाश रावत, उप प्रबंधक पद पर सुशील चौहान तथा कोषाध्यक्ष पद पर कलम सिंह खत्री को निर्वाचित किया गया है। इसके अलावा प्रबंध कार्यकारिणी में श्रीमती शकुंतला देवी, श्याम लाल, सूरज सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह, पवन लखेड़ा, विजय प्रसाद भट्ट, मुकेश लखेड़ा के साथ ही पदेन सदस्य के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश प्रसाद ममगाईं, सहायक अध्यापक आनन्दमणि देवली व सहायक अध्यापिका सुश्री निक्की पंवार को चयनित किया गया है।

इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक ललिता प्रसाद लखेड़ा, निवर्तमान प्रबंधक समिति के अध्यक्ष विजयपाल सिंह नेगी, प्रीतम सिंह ठाकुर, प्रधान प्रतिनिधि एवं पूर्व प्रधान प्रकाश रावत, निवर्तमान अभिभावक संघ अध्यक्ष एवं समाजसेवी धीरेन्द्र चौधरी रिंकू, रोशन लखेड़ा, अभिभावक संघ अध्यक्ष राजकुमार, एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती कविता देवी, जगदीश प्रसाद खाली, वीरेंद्र ठाकुर, सहायक अध्यापक राजेश पन्त, गौरव पुरोहित, देवेन्द्र कुमार, शिक्षिका मोनिका थपलियाल पुरोहित, निक्की पंवार, रीतिका जोशी सहित अभिभावक मौजूद थे।

नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री के निर्देशों के क्रियान्वयन के लिए ठोस रणनीति बनाने के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

सीएम पुष्कर सिंह धामी व अन्य।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव को निर्देशित किया कि शनिवार को आयोजित नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जिन बिंदुओं पर राज्यों को मार्गदर्शन और निर्देश दिए गए हैं, उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तर पर स्पष्ट और व्यवहारिक रणनीति तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत/2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए राज्य सरकार को केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं और नीतियों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। मुख्य सचिव को निर्देश दिए गए कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर एक समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए और उसकी सतत मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए हर स्तर पर पारदर्शिता और उत्तरदायित्व तय किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में पूर्ण निष्ठा से सहभागी है।

महाराज ने मृतक के शव के साथ अमानवीय हरकत का लिया संज्ञान

पौड़ी (नजरिया खबर ब्यूरो)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र स्थित विकासखण्ड बीरोंखाल के सुखई में वाहन दुर्घटना में मारे गए कुंड निवासी संदीप के शव को अस्पताल प्रशासन द्वारा ई–रिक्शा में बांध कर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की अमानवीय घटना का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बात कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए कहा है।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज के विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल स्थित विकासखण्ड बीरोंखाल के सुखई में बुधवार को वाहन दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी।

जिसमें एक महिला बिलेश्वरी देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी जबकि कुंड निवासी संदीप की रामनगर में इलाज के दौरान मृत्यु के बाद उसके शव को अस्पताल प्रशासन द्वारा ई–रिक्शा में बांध कर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की अमानवीय घटना सामने आने के पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए श्री महाराज ने दूरभाष पर स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत और नैनीताल के सीएमओ डा. हरीश पंत से बात कर दोषियों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही के लिए कहा।

घटनाक्रम के बाद फिलहाल स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सीएमएस के जवाब तलब किये गये हैं।

सीडीओ, अभिषेक त्रिपाठी ने 21 जून को विधानसभा परिसर भराड़ीसैंण में होने वाले योग दिवस को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी ने 21जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भराडीसैण में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर शनिवार को विधान सभा परिसर में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए।

उन्होने पीडब्ल्यूडी गैरसैंण को दिवालीखाल से विधानसभा तक सड़क को सुचारू रखने और फ्लैग लगाने को लेकर आवश्यक कार्यवाही करने, उद्यान विभाग को वृक्षारोपण को लेकर कार्यवाही करने, आरटीओ को पार्किंग की व्यवस्था करने,जल संस्थान को पेयजल व्यवस्था व विद्युत् विभाग को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, नगर पंचायत गैरसैंण को मोबाइल टॉयलेट लगाने और पुलिस को सेफ हाउस और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराडीसैंण में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमे विभिन्न राष्ट्रों के राजदूत भी प्रतिभाग करेंगे। बताया कि पतंजलि के योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग एक हजार प्रतिभागी शामिल होंगे। इस दौरान आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग के सयुक्त निदेशक के एस नपच्याल, कार्यक्रम समन्वयक केके पाण्डे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड सूचना कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन, कैलाश रावत बने अध्यक्ष

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखण्ड सूचना कर्मचारी संघ (मुख्यालय) की नई कार्यकारिणी के वर्ष 2025–26 हेतु चुनाव संपन्न हुई। सूचना विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा चुनाव अधिकारी के रूप में संघ के चुनाव संपन्न कराये गये। चुनाव अधिकारी मनोज श्रीवास्तव, सहायक चुनाव अधिकारी विजय कुमार, रामसिंह परजोली की देखरेख में संघ के चुनाव संपन्न हुए।

सूचना कर्मचारी संघ की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी।

चुनाव नतीजों को घोषित करते हुए चुनाव अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अध्यक्ष पद पर कैलाश रावत, उपाध्यक्ष पद पर संयुक्त रूप से प्रशांत रावत, संजय कुमार, महामंत्री पद पर अंकित कुमार, संयुक्त मंत्री पद पर पारुल, कोषाध्यक्ष पद पर राकेश कुमार धीवान, संगठन मंत्री पद पर सत्येन्द्र बिजल्वाण, संयोजक, ऑडिटर पद पर अरूण कुमार, प्रचार मंत्री पद पर बहादुर सिंह कन्याल, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बालम सिंह नगरकोटी को निर्वाचित घोषित किया गया है। चुनाव अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि अध्यक्ष पद पर कैलाश रावत को 52 मत एवं मनोज शुक्ला को 17 मत, उपाध्यक्ष पद पर संयुक्त रूप से प्रशांत रावत, संजय कुमार को 34–34 मत, महामंत्री पद पर अंकित कुमार को 51 एवं चेतन पाण्डेय को 18 मत, संगठन मंत्री पद पर सत्येन्द्र बिजल्वाण को 45 एवं नरेन्द्र सिंह सजवाण को 24 मत प्राप्त हुए। इसके साथ ही संयुक्त मंत्री पद पर पारुल, कोषाध्यक्ष पद पर राकेश कुमार धीवान, संयोजक, ऑडिटर पद पर अरूण कुमार, प्रचार मंत्री पद पर बहादुर सिंह कन्याल, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में बालम सिंह नगरकोटी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश रावत ने कहा कि नई कार्यकारिणी द्वारा एक स्वर में संकल्प लिया गया कि विभागीय कार्मिकों से संबंधित मुद्दों पर कार्यवाही किये जाने हेतु उच्च स्तर पर वार्ता की जायेगी। जल्द ही एक मांग पत्र तैयार कर उच्चाधिकारियों को दिया जायेगा। विभाग से यह भी मांग की जायेगी कि जल्द से जल्द विभाग का पुनर्गठन किया जाय। नव निर्वाचित महामंत्री अंकित कुमार ने कहा कि विभागीय हित में ठोस कार्ययोजना तैयार कर इस बात पर जोर दिया जायेगा कि जनपदीय कार्यालयों में ढांचा बढ़ाया जाय। नव निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा सभी कार्मिक साथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर' ने खोली पाकिस्तान और आतंकवाद के गठजोड़ की पोल: गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जब बीएसएफ के 18वें अलंकरण समारोह और प्रतिष्ठित रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में आए तो वह दृश्य केवल एक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा चेतना का उद्घोष बन गया। यह कोई साधारण उपस्थिति नहीं थी। यह उस दूरदर्शी रणनीतिकार का आगमन था जो नीतियों को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें रणनीतिक अस्त्रों में परिवर्तित करता है। भारत के सुरक्षा–शिल्पकार, लौह–संकल्प के धनी अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब 'प्रतिक्रिया' नहीं बल्कि 'प्रतिकार' करता है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि, 'जिन आतंकियों के जनाजे पर पाक सेना के अफसर कंधा दे रहे हैं, वही इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि पाक अब आतंक का समर्थक नहीं, संरक्षक है। ऑपरेशन सिंदूर से यह बात उजागर हुई है कि पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच गठजोड़ है। कई दशकों से देश पाक समर्थित आतंक का सामना कर रहा है। पाक ने कई घटनाएँ की, लेकिन इसका उचित जवाब नहीं दिया गया। 2014 में मोदी जी पीएम बने, जिसके बाद आतंकवाद को मुँहतोड़ जवाब मिला। उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद एयर स्ट्राइक और अब पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर। यह सब उस बदलते भारत की गवाही देते हैं, जो अब संकल्प के साथ कार्रवाई करता है।

8 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया गया और 9 आतंकी अड्डों को नष्ट किया गया, जिसमें सिर्फ आतंकी कैंपों को ध्वस्त किया। ऑपरेशन सिंदूर मोदी जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन था। सेना ने 100 किमी अंदर घुसकर पाक को उसका जमीन दिखाने का काम किया है। बीएसएफ के जवान भी मोर्चे पर थे। जवान एक इंच भी पीछे नहीं हटे और उनकी गोली का जवाब गोले से दिया। यह एक स्पष्ट इशारा था कि मोदी युग में भारत अब अपने सुरक्षा मानकों को खुद लिख रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में बीएसएफ के कर्मियों की वीरता और समर्पण ने देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्धकाल हो या शांति काल, बीएसएफ के जवानों ने हमेशा अपने कर्तव्य को निभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। चाहे शून्य से 45 डिग्री कम तापमान हो या 45 डिग्री की गर्मी, चाहे लद्दाख की सीमाएँ हों या रेगिस्तान, बीएसएफ और सारी पैरामिलिट्री फोर्सेस सीमा सुरक्षा के काम में लगी हैं। शाह ने भारत के प्रथम बीएसएफ महानिदेशक के.एफ. रुस्तमजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह भी रेखांकित किया कि कैसे 1965 में 25 बटालियनों से शुरू हुआ बल आज 192 बटालियनों में विकसित हो चुका है।

तेजी से शहरी विकास की वजह से कार्बन को सोखने की क्षमता में 34 प्रतिशत की कमी आई

देहरादून। पुणे ने बीते दस सालों में अपनी कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन क्षमता में 34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जो मुख्य रूप से तेज़ी से शहरी विकास की वजह से हुआ है।

हाल ही में एमआईटी–वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के डॉ. पंकज कोपार्डे तथा सस्टेना ग्रीन्स एलएलपी की प्रतीक्षा चालके द्वारा साथ मिलकर की गई एक स्टडी के नतीजे में शहर की कार्बन डाइऑक्साइड नामक एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस को सोखने की क्षमता में इतनी बड़ी गिरावट की बात सामने आई है।

लूजिंग द कार्बन गेम? चेंजिंग फेस ऑफ ए ट्रॉपिकल स्मार्ट मेट्रो सिटी एंड इट्स रेपरकशंस ऑन कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, हीट एंड फ्लड मिटिगेशन कैपेसिटी नाम से यह रिसर्च सस्टेनेबल फ्यूचर्स जर्नल में प्रकाशित की गई थी। साल 2013 से 2022 के बीच, पुणे में नई इमारतों के निर्माण वाले क्षेत्रों में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिससे हरे–भरे इलाके में काफी कमी आई।

राहुल की बातें, विदेश गए प्रतिनिधिमंडल की कोशिशों को कमजोर करने वाली: भट्ट

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भाजपा ने राहुल के हालिया बयानों को, ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष रखने गए प्रतिनिधिमंडल के प्रयासों को कमजोर करने की कोशिश बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि मोदी विरोध में हताश निराश, राहुल की बातें अब स्वयं प्रतिनिधिमंडल में गए कांग्रेस नेताओं से भी मेल नहीं खा रही हैं। उन्होंने मीडिया को दी गई प्रतिक्रिया में कहा, राहुल गांधी बतौर राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष के बाद अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी असफल साबित हो रहे हैं। सर्वदलीय बैठकों में कही गई एक भी बात पर वे और कांग्रेस पार्टी कायम नहीं रही है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्रहित में साथ देने की बात कही और लगातार एक के बाद एक, देश विरोधी और दुश्मन को लाभ पहुंचाने वाले बयान दिए। उन्होंने और उनके नेताओं ने बेवजह भारत के नष्ट लड़ाकू विमान की जानकारी मांगी, ड्रोनों को मार गिरने के लिए तारीफ करने की बजाय उन पर हुए खर्च को मुद्दा बनाया, किसी ने फिर से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे तो किसी को तो युद्ध ही नागवार गुजरा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी विरोध में वे सभी हदों को पार गए हैं और प्रतिनिधिमंडल में देश का नेतृत्व करने वाले अपनी पार्टी के नेताओं की राय के एकदम उलट बयान दे रहे है। राहुल अपने अनर्गल सवालों से भारतीय सेना के शौर्य पर उंगली उठा रहे हैं तो विदेश गए शशि थरूर, सलमान खुर्शीद ऑपरेशन सिंदूर को आतंक नेस्तनाबूद करने वाला बताते हैं।

हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। गोविंदघाट से पंज प्यारों की अगुवाई में सिख श्रद्धालुओं का जत्था आज शनिवार को बैंड बाजों की धुन के साथ घांघरिया के लिए रवाना होगा। हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। कपाट खुलने को लेकर तीन हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं और शुक्रवार को 500 से अधिक श्रद्धालु घांघरिया पहुंच चुके हैं।

हेमकुंड साहिब।

हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। यात्रा को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घांघरिया पहुंच चुके हैं। वहीं ऋषिकेश से पंज प्यारों की अगुवाई में सिख श्रद्धालुओं का जत्था शुक्रवार को गोविंदघाट गुरुद्वारा पहुंचा। शनिवार को गोविंदघाट गुरुद्वारे में अरदास के बाद पंज प्यारों की अगुवाई में श्रद्धालुओं का जत्था हेमकुंड साहिब के लिए रवाना होगा। घांघरिया में रात्रि प्रवास करने के बाद अगले दिन रविवार को वह हेमकुंड के लिए रवाना होंगे और निर्धारित समय पर विधि विधान के साथ हेमकुंड साहिब के कपाट खोल दिए जाएंगे। गुरुद्वारे के प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े सात बजे अखंड पाठ होगा उसके बाद 15 मिनट का शबद कीर्तन और 7:50 पर अरदास होगी।

आठ बजे यात्रा शुभारंभ का हुकमनामा लिया जाएगा। उसके बाद बैंडबाजों की धुन के साथ पंज प्यारों की अगुवाई में सरोपे पहनाकर सभी संगतों को हेमकुंड के लिए रवाना किया जाएगा।

बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कोटद्वार एवं यमकेश्वर क्षेत्र में नागरिक अभिनंदन

कोटद्वार/पौड़ी (नजरिया खबर ब्यूरो)। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कोटद्वार एवं मयंकेश्वर क्षेत्र में भव्य नागरिक अभिनंदन हुआ।

उत्साहपूर्वक पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढोल दमाऊं के साथ लोगों ने बीकेटीसी अध्यक्ष का स्वागत किया, फूलमालाओं पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह भेंट किये। इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं तथा आम लोगों का उनके नागरिक अभिनंदन के लिए आभार जताया कहा कि देशद्य के यशस्वी प्रधानमंत्री

कोटद्वार में सिद्धबली मंदिर के दर्शन किये, महंत दिलीप रावत से की भेंट

नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का उत्तराखंड चारधाम तथा सभी दिव्य मंदिर श्रृंखलाओं के विकास पर जोर है इसी के अनुरूप श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति सभी तीर्थयात्रियों को मंदिरों में सरल सुगम दर्शन सुविधा हेतु कृत संकल्पित है उन्होंने सभी से श्री बदरीनाथ तथा केदारनाथ दर्शन हेतु भी आमंत्रित किया। देवी रोड कोटद्वार में एक वैडिंग प्वाइंट में आयोजित सम्मान समारोह में हजारों कार्यकर्ताओं तथा नगर की कई मंदिर समितियों तथा संगठनों ने बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का स्वागत किया इस दौरान बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी स्वागत को पहुंची।

पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किये।इसी तरह दुगड्डा, मटियाली,कांडाखाल, पौखाल, थलनदी में जनता स्वागत को पहुंची। कश्यप ऋषि की तपस्थली थलनदी में बीकेटीसी अध्यक्ष ने कथा व्यास सर्वानंद शास्त्री गोवत्स की ओर से आयोजित रामकथा का भी श्रवण किया तथा व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया। कांडाखाल में आयोजित कार्यक्रम में बीकेटीसी अध्यक्ष ने वरिष्ठ कार्यकर्ता विद्या दत्त भट्ट को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

इससे पहले कोटद्वार में बीकेटीसी अध्यक्ष ने सिद्धबली हनुमान मंदिर में दर्शन किये तथा महंत दिलीप रावत से भी भेंट की। थलनदी के बाद बीकेटीसी अध्यक्ष अपने पैतृक गांव खोबरा पहुंचे जहां वह शनिवार को कुल देवता की पूजा–अर्चना में शामिल होंगे। उसके बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैतृक गांव पंचूर जायेंगे इसके पश्चात श्री बदरीनाथ धाम के लिए रवाना होंगे।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान कोटद्वार मैयर शैलेंद्र रावत, जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, गौरक्षा समिति अध्यक्ष डा. राजेंद्र अंथ्वाल, विजय लखेड़ा,विश्वपाल जैन,नगर अध्यक्ष आशीष रावत,द्वारीखाल मंडल अध्यक्ष मनोज गोसाईं, कीर्ति मोहन बहुखंडी, यमकेश्वर मंडल अध्यक्ष अनिल रावत, प्रधान हनुमान सिंह रावत, सुरेन्द्र सिंह आर्य,दीपक ध्यानी, सुबोध नेगी, मनोज खत्री, दिगंबर कुकरेती जनार्जन गौड़,सरोज देवी, मनोरमा देवी, चंडी प्रसाद कुकरेती, देवेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 May 2025_Copy of Layout 1 5/25/2025 1:39 PM Page 8

प्री मानसूनी बारिश ने 22 दिनों में उत्तराखण्ड में बरपाया कहर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मानसून के आने में अभी काफी वक्त बचा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसा लग रहा है कि मानो मानसून भारत ही नहीं बल्कि उत्तराखंड में भी दस्तक दे चुका हो। राज्य के तमाम जिलों में लगातार हो रही बारिश मई में गर्मी के अनुभव को नहीं होने दे रही। कुछेक दिनों को छोड़ दिया जाए तो ऐसा भी लग रहा है जैसे इस बार गर्मी का मौसम आया ही ना हो।

मई और जून का महीना ऐसा होता है, जब गर्मी अपने चरम पर होती है। लेकिन इस बार उत्तराखंड में तो मई महीने की शुरुआत ही बारिश से हुई। रुक रुक कर हो रही बारिश ने मौसम में ठंडक लाने का काम किया और गर्मी की आहट के बीच मौसम बदलता दिखा। स्थिति यह है कि मई महीने में 22 दिनों के भीतर ही 65 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड कर ली गई। जिसे देखकर खुद मौसम वैज्ञानिक भी हैरान दिखाई दे रहे हैं।

मई महीने में अभी करीब एक हफ्ता बाकी है, लेकिन इसके बावजूद आंकड़े बताते हैं कि कैसे इस बार उत्तर भारत की तरह उत्तराखंड राज्य में भी बारिश महीने भर छाई रही। आंकड़ों के अनुसार पूरे प्रदेश में ओवरऑल अब तक सामान्य से 65 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। इसमें सबसे ज्यादा बारिश हरिद्वार जिले में रिकॉर्ड की गई। हरिद्वार में सामान्य से 175 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। इसके अलावा टिहरी गढ़वाल में भी इस बार सामान्य से 143 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। इसी तरह बागेश्वर जिले में भी सामान्य से 140 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है, पौड़ी जनपद में 138 फीसदी, देहरादून में 110 फीसदी, अल्मोड़ा में 103 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि इन 22 दिनों में राज्य के सभी जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। लेकिन बाकी जिलों में बारिश ज्यादा होने का प्रतिशत 70 से कम रहा है। पूरे प्रदेश में इस सीजन के दौरान 20 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है, जो कि सामान्य के ही करीब है। लेकिन राज्य भर में बारिश के डिस्ट्रीब्यूशन की स्थिति को देखें तो यह काफी चौंकाने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पूरे सीजन के दौरान एक तरफ कुछ जिलों में 77 फीसदी तक बारिश ज्यादा हुई है तो वहीं कुछ जिले ऐसे भी हैं जहां बारिश सामान्य से भी काफी कम रिकॉर्ड हुई है। राज्य में मार्च महीने से लेकर अब तक के इस पूरे सीजन के दौरान बारिश की स्थिति पर नजर दौड़ाए तो बागेश्वर जिले में जहां 77 फीसदी ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई और इसी तरह उधम सिंह नगर, अल्मोड़ा में भी बारिश सामान्य से क्रमशः 52 और 48 फीसदी ज्यादा रिकॉर्ड की गई। उधर टिहरी जिले में भी 75 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। हालांकि बहुत ज्यादा हो रही बारिश के बावजूद भी नैनीताल और पिथौरागढ़ जनपद में बारिश सामान्य से भी कम हो रही है। नैनीताल जिले में इस सीजन के दौरान अब तक 14 फीसदी बारिश सामान्य से कम हुई है। इसी तरह पिथौरागढ़ में भी 11 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

जलवायु परिवर्तन अतरर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव के रूप में इसे देखा जा रहा है। एनवायरनमेंट पर काम करने वाले जानकार कहते हैं कि जिस महीने में गर्मी रिकॉर्ड की जाती थी उसमें इस तरह बारिश का होना जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट संकेत है। देश में इस बार मानसून समय से पहले आने की बात कही जा रही है। उत्तराखंड के लिए यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिमालय राज्य होने के नाते मानसून के दौरान प्रदेश में ऐसी कई कठिनाइयां पैदा हो जाती हैं जो ना केवल यहां के स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती है, बल्कि पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों को भी बड़ा झटका देती है।

स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं में गड़बड़ी, विस्तृत जांच के आदेश

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। शासन ने राज्य के विभिन्न स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए संचालित केंद्र पोषित छात्रवृत्ति योजना में गड़बड़ी की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं।

सचिव अल्पसंख्यक कल्याण धीराज सिंह गर्ब्याल ने सभी जिलाधिकारियों को एक माह में जांच पूरी कर रिपोर्ट देने को कहा है। सचिव के मुताबिक, जांच में वित्तीय अनियमितता की पुष्टि होने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के पोर्टल के विश्लेषण में कतिपय संस्थान और स्कूल संदिग्ध पाए जाने के बाद सचिव ने 90 से अधिक संस्थानों और स्कूलों में विस्तृत जांच के आदेश दिए। इनमें से अधिकतर संस्थान देहरादून, ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार और नैनीताल जिले में हैं। इस संबंध में अल्पसंख्यक विभाग के सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को एक पत्र भेजा है। इसमें एसडीएम की अध्यक्षता में एक टीम का गठन कर जांच कराने को कहा है। इस समिति में संबंधित खंड शिक्षाधिकारी, सहायक अल्पसंख्यक कल्याण व सहायक समाज कल्याण अधिकारी होंगे। समिति एक माह के भीतर जांच रिपोर्ट को उपलब्ध कराएगी। इसके आधार पर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को तकनीक और प्रोफेशनल कोर्स, हाईस्कूल के बाद और हाईस्कूल से पूर्व की छात्रवृत्ति मिलती है।

खेल परिसरों के नाम बदलना युवाओं के साथ अन्यायः नवीन जोशी

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री एव पूर्व राज्यमंत्री नवीन जोशी ने उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न खेल परिसरों के नाम बदलने के निर्णय की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय युवाओं के खेल भावना और राज्य की समावेशी परंपरा के विरुद्ध है। श्री जोशी ने कहा कि परिसरों के नामों में किए गए परिवर्तन न केवल इतिहास और मूल प्रेरणा को मिटाने का प्रयास हैं, बल्कि यह सरकार की अलोकतांत्रिक मानसिकता को भी उजागर करते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि खेल परिसर केवल ईंट–पत्थरों का ढांचा नहीं होते, बल्कि वे युवाओं के सपनों और प्रेरणाओं के प्रतीक होते हैं।

लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट खुले, कल घांघरिया के लिए रवाना होंगे पंज प्यारे

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। कृष्ण एकादशी के पावन मौके पर लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट आज विधि विधान के साथ दोपहर में 2 बजकर 15 मिनट पर खोल दिए गए। इसके साथ ही अब चार माह तक श्रद्धालु भगवान लक्ष्मण के दर्शन यहां कर सकेंगे।

लोकपाल लक्ष्मण मंदिर।

मंदिर के मुख्य पुजारी भगवती प्रसाद पांडे ने बताया कि इस अवसर पर पुलना गांव के स्थानीय लोगों ने पवित्र हिम सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर लोकपाल लक्ष्मण के दर्शन कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की मनोकामना की। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गोविंदघाट से पंज प्यारों की अगुवाई में सिख श्रद्धालु कल घांघरिया के लिए रवाना होंगे। शुक्रवार को 500 से अधिक श्रद्धालु घांघरिया पहुंच चुके हैं।

वहीं ऋषिकेश से पंज प्यारों की अगुवाई में सिख श्रद्धालुओं का जत्था भी गोविंदघाट पहुंच गया है। शनिवार को गोविंदघाट गुरुद्वारे में अरदास के बाद पंज प्यारे हेमकुंड साहिब के लिए रवाना होंगे। घांघरिया में रात्रि प्रवास करने के बाद अगले दिन रविवार को पंज प्यारों की अगुवाई में श्रद्धालु हेमकुंड के लिए रवाना होंगे और निर्धारित समय पर विधि विधान के साथ हेमकुंड साहिब के कपाट खोल दिए जाएंगे।

न्यूज डायरी

आर्यन स्कूल ने आयोजित किया एनुअल गाला फेट

देहरादून। आर्यन स्कूल में एनुअल गाला फेट धूमधाम और उल्लास के साथ स्कूल परिसर में आयोजित हुआ। इस रंगारंग कार्यक्रम में स्कूल के छात्र, पूर्व छात्र, अभिभावकों, शिक्षकों और स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की चेयरपर्सन सिमी गुप्ता द्वारा उद्घाटन समारोह के साथ हुई। स्कूल फेट में छात्रों के लिए स्वादिष्ट भोजन, मनोरंजक खेल और कई प्रकार के मनोरंजन की व्यवस्था थी। खाने के स्टॉल्स फेयर का मुख्य आकर्षण बने रहे। फेट में कई इंटरैक्टिव गेम स्टॉल्स भी लगाए गए। फिशिंग, व्हील ऑफ फॉर्च्यून, और बीट द बजर जैसे खेलों ने बच्चों और बड़ों दोनों को खूब आनंदित किया। लकी ड्रा ने कार्यक्रम में उत्साह और रोमांच का तड़का लगाया, जहाँ हर कोई पुरस्कार जीतने की उम्मीद में भाग लेता नजर आया। सेगवे राइड, मिकी माउस मास्कॉट और रंग–बिरंगे गुब्बारों की सजावट ने कार्यक्रम में और भी जान डाल दी। फेट का एक और खास आकर्षण था 'लाइव ज्यूकबॉक्स स्टेशन', जहाँ छात्र अपने दोस्तों और शिक्षकों को गाने समर्पित कर रहे थे। कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रिंसिपल बी. दासगुप्ता ने कहा, "समर गाला फेट केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे स्कूल की जीवंत सामुदायिक भावना का प्रतीक है।

पेज 01 का शेष...

धानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की दसवीं बैठक में सीएम ने किया प्रतिभाग

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में "शीतकालीन यात्रा" के सफल परिणाम सामने आए हैं। प्रधानमंत्री के हर्षिल और मुखबा की यात्रा से राज्य के पर्यटन क्षेत्र को काफी लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यटकों को साहसिक पर्यटन, इको टूरिज्म और हाई–एंड टूरिज्म के माध्यम से आकर्षित करने के लिए वृहद नीति बनाकर जमीनी स्तर पर कार्य शुरू किये गये हैं। उत्तराखंड में नवाचार एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित "सतत एवं समावेशी विकास" पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में जीडीपी की तर्ज पर जीईपी अर्थात "ग्रोस एनवायरमेंट प्रोडक्ट इंडेक्स" जारी करने की शुरुआत की है, इसके आंकलन द्वारा अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के मध्य बेहतर सामंजस्य स्थापित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में "जियोथर्मल ऊर्जा नीति" शीघ्र लागू किया जायेगा। राज्य में "मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना" प्रारंभ की गई है। इस योजना के लाभार्थी प्रतिमाह एक लाख रूपए से अधिक की आमदानी प्राप्त कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com

Website : www.nazariyakhabar.com डाक पंजीयन: UA/DO/DDN/402/2017-19